दो नैना सरकार के

मुकुट सिर मोर का, मेरे चित चोर का ॥
दो नैना नैना नैना, दो नैना नैना नैना
दो नैना सरकार के, कटीले हैं कटार से ॥

कमल लजाएं तेरी, अँखियों को देख के ॥
भूली घटाएं तेरी, कजरे की रेख पे ॥
मुखड़ा निहार के, सो चाँद गये हार के ॥
दो नैना नैना नैना, दो नैना नैना नैना
दो नैना सरकार के,,,,,,,,,,,,,,,,,,

कुरबान जाऊँ तेरी, बांकी अदाओं पे ॥
आ पास आजा तुझे, भरलूँ मैं बांहों में ॥
जमाने को बिसार के, दिलों जां तुझपे वार के ॥
दो नैना नैना नैना, दो नैना नैना नैना
दो नैना सरकार के,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

रमण / बांके बिहारी नहीं, तुलना तुम्हारी ॥
तुमसा ना पहले कोई, ना होगा अगारी ॥
दिवानों ने विचार के, कहा है यह पुकार के ॥
दो नैना नैना नैना, दो नैना नैना नैना
दो नैना सरकार के,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोड करता- अनिल भोपाल

स्वर : पूनम यादव

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/5095/title/do-naina-sarkar-ke-katile-hai-kataar-se-mukat-ser-mor-ka-mere-chit-chor-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |